B.A. Part-1, Paper II

SOME DEFINITION OF PHILOSOPHY

Date- 22/04/2020
Dr. Shobha Ku.
Deptt. of Philosophy

दर्शन का क्षेत्र अत्यधिक विस्तृत और व्यापक है। ज्ञान का कोई भी क्षेत्र, कोई भी शास्त्र दर्शन की उसे "दर्शन" के दृष्टिकोण से विचार करने लगते हैं। इसलिए अपनी - अपनी रुचि और अपने - अपने दृष्टिकोण से दार्शनिकों ने मानव - जीवन के या ज्ञान के किसी विशेष क्षेत्र पर दार्शनिक दृष्टिकोण से चिन्तन किया, और इस प्रकार उन्होंने दर्शन की विषय-वस्तु, अर्थात् दर्शन के क्षेत्र को सीमित कर दिया।

देखा जाय, तो दर्शन की जितनी भी परिभाषायें हैं, वे सभी पूर्ण दर्शन को सामने न रखकर उसके अंश को ही उद्घाटित करती हैं। इसलिए सीमित होते हुए भी ये सारी परिभाषायें महत्वपूर्ण स्थान हमारे दर्शन में रखती हैं।

सामान्य तौर पर देखा जाय, तो दार्शनिकों ने दर्शन को परिभाषित करते हुए या तो —

(a) दर्शन को विज्ञान की विकसित अवस्था में रखा।

(b) दर्शन को मुल रूप से तत्व या "परम-तत्व" से संबंधित मानकर दर्शन को तत्वज्ञान का शास्त्र माना।

(c) दर्शन को "प्रमाण-शास्त्र" या ज्ञान-मीमांसा से विशेष रूप से सम्बन्धित किया।

दर्शन की कुछ परिभाषाएँ इस प्रकार हैं —

फ्रांसीसी दार्शनिक "कॉमटे" (comte) के अनुसार — "दर्शन विज्ञानों का विज्ञान है।" (Philosophy is a Science of Sciences.)।

Scanned by CamScanner

- पोलसेन (Paulsen) के अनुसार :— "दर्शन समस्त वैज्ञानिक ज्ञान का योग है।" (Philosophy is Sumtotal of all Scientific Knowledge.)।
- हर्बर्ट स्पेन्सर (Herbert Spencer) का मत है, कि — "दर्शन विज्ञानों का समन्वय या विश्व-व्यापक विज्ञान या महाविज्ञान है।" (Philosophy is synthesis of the Sciences a universal Science or a Super Science.)।
- समकालीन पाश्चात्य दार्शनिक 'रसेल' (Russell) के अनुसार :→ "दर्शन विज्ञान के आधारभूत सिद्धांतों का तार्किक अध्ययन है।" (Philosophy is the Logical Study of the Foundations of the sciences.)।
- दर्शन का मूलतः तत्वज्ञान से जोड़ते हुए ग्रीक दार्शनिक प्लेटो (Plato) का मत है, कि → "दर्शन का उद्देश्य वस्तुओं के 'शाश्वत' अथवा 'मूल-स्वरूप' का ज्ञान कराना है।" (Philosophy aims at the Knowledge of Eternal, the essential nature of things.)।
- अरस्तू के अनुसार — "दर्शन वह विज्ञान है, जो 'परम-तत्व' के 'यथार्थ-स्वरूप' का अन्वेषण करता है।" (Philosophy is the Science. which investigates the nature of beings.)।
- हीगल (Hegel) के अनुसार — "दर्शन वास्तविकता का 'तत्व-विज्ञान' है।" (Philosophy is the meta-

Scanned by CamScanner

(3)

Physics of Reality.)।

दर्शन को विशेष रूप से प्रमाण शास्त्र से सम्बंधित मान कर फिख्ते (Fichte) का मत है।

"दर्शन ज्ञान का विज्ञान है।" (Philosophy is the science of Knowledge.)।

इसी प्रकार से काण्ट (Kant) के अनुसार,

"दर्शन ज्ञान की क्रिया या बोध का विज्ञान एवं आलोचना है।" (Philosophy is the science and criticism of cognition.)।

इस प्रकार विभिन्न पाश्चात्य दार्शनिकों ने अपने-अपने ढंग से ज्ञान को परिभाषित करने का प्रयास किया है।

Scanned by CamScanner